



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कानपूर, उत्तर प्रदेश



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 29-04-2025

इटावा(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-04-29 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-04-30	2025-05-01	2025-05-02	2025-05-03	2025-05-04
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	3.0	2.0	2.0
अधिकतम तापमान(से.)	39.0	39.0	39.0	39.0	41.0
न्यूनतम तापमान(से.)	25.0	26.0	26.0	26.0	26.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	63	59	69	72	67
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	14	14	34	37	35
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	29	20	23	26	20
पवन दिशा (डिग्री)	99	112	118	107	108
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	1	3	4	5
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आगामी पांच दिनों में हल्के से मध्यम बादल छाये रहने के कारण दिनांक 3-4 मई, 2025 के मध्य गरज-चमक के साथ हल्की वर्षा, आंधी-तूफान, तेज सतही हवाएं चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 39.- 40.0°C के मध्य है, जो सामान्य से 1-2°C अधिक रहने की संभावना है तथा न्यूनतम तापमान 25.0-27.0°C के मध्य है, जो सामान्य से 2-3°C अधिक रहने की संभावना है। सापेक्षिक आर्द्रता की अधिकतम एवं न्यूनतम सीमा 57-72 तथा 13- 38% के मध्य है। हवा की दिशा दक्षिण-पूर्व है तथा हवा की गति 18.0-27.0 किमी प्रति घंटा के मध्य है, तथा झोंके सामान्य से 15-20 किमी प्रति घंटा अधिक रहने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 2-4 मई, 2025 के मध्य स्थानीय स्तर पर तेज हवाओं के साथ आंधी, बिजली, हल्की बारिश की चेतावनी है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

किसानों को सलाह दी जाती है कि दिनांक 02-04 मई, 2025 के मध्य गरज-चमक, तेज हवाओं के साथ हल्की वर्षा होने की संभावना को देखते हुए कटी हुई फसल की मड़ाई का कार्य शीघ्र पूरा कर दाने को सुरक्षित स्थान पर संरक्षित कर लें। जायद की खड़ी फसलों में सिंचाई का कार्य स्थगित रखें।

सामान्य सलाहकार:

वर्षा की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे गेहूँ की कटी हुई फसल की मड़ाई शीघ्र पूरा कर दाने को सुरक्षित स्थान पर संरक्षित करें तथा खेत में कटी हुई फसल को खेत में खुला न छोड़ें। जायद की खड़ी फसलों में सिंचाई का कार्य स्थगित रखें एवं कीटनाशी, रोगनाशी और खरपतवारनाशी रसायनों का छिड़काव हवा के शांत/आसमान साफ होने पर ही करें और हवा की विपरीत दिशा में खड़े होकर कीटनाशकों, कीटनाशकों और खरपतवारनाशकों को स्प्रे या स्प्रे न करें। छिड़काव शाम को किया जाना चाहिए, यदि संभव हो तो, छिड़काव करने के बाद, खाने से पहले और कपड़े धोने के बाद हाथों को साबुन या हाथ धोने से अच्छी तरह से धोना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि दिनांक 02-04 मई, 2025 के मध्य गरज-चमक, तेज हवाओं के साथ हल्की वर्षा होने की संभावना को देखते हुए कटी हुई फसलों की मड़ाई कर दाने को सुरक्षित स्थान पर संरक्षित करें।

फसल विशिष्ट सलाह:

फसल	फसल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	वर्षा की संभावना को देखते हुए गेहूँ की खड़ी फसलों से अत्यधिक वर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें। गेहूँ की कटी हुई फसल की मड़ाई शीघ्र पूरा कर दाने को सुरक्षित स्थान पर संरक्षित करें तथा खेत में कटी हुई फसल को खेत में खुला न छोड़ें। थ्रेशिंग का कार्य सायंकाल व रात्रि के समय हवा शांत होने पर करें।
मक्का	वर्षा की संभावना को देखते हुए अत्यधिक वर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें। मक्का की फसल में तना छेदक कीट की रोकथाम हेतु इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एसजी 200 ग्राम प्रति एकड़ अथवा क्लोरेंटानिलिप्रोएल 18.5% एससी 60 मिली प्रति एकड़ की दर से 500-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
काला चना	वर्षा की संभावना को देखते हुए अत्यधिक वर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें। जायद उर्द/मूँग की फसलों को खरपतवार से मुक्त रखें। उर्द की फसल में थ्रिप्स/हरे फुदके कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु आक्सीडेमेटान-मिथाइल 25% ईसी या डाईमैथोएट 30% ईसी 1.0 लीटर/हेक्टेयर की दर से 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	प्याज की खुदाई का सबसे अच्छा समय 50 % पत्तियाँ गिरने के एक सप्ताह बाद करें। प्याज की फसल में थ्रिप्स कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है, अतः इसके रोकथाम हेतु मिथाइल -ओ -डिमेटान 25% ई.सी. 1.5 लीटर /हेक्टेयर की दर से 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। ग्रीष्म कालीन मौसम में रोपी गई सब्जियों टमाटर, बैंगन एवं मिर्च की फसलों में निराई -गुड़ाई कर सिंचाई का कार्य करें। ग्रीष्मकालीन में बोई गई कद्दू, लौकी, तरोई, करैला, खीरा, ककड़ी, तरबूज, खरबूजा आदि की तैयार फसलों की तुड़ाई कर बाजार भेजें।
आम	आम, अमरूद, नींबू, बेर, अंगूर, पपीता व लीची आदि के बागों में सिंचाई का कार्य करें। आम के फलों को गिरने से बचाने के लिए बागों की सिंचाई करें अथवा एल्फा नेफथलीन एसिटिक एसिड के 4.5 एस.एल. के 20 मिली० प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। आम के फलों में कोयलिया विकार या आंतरिक सड़न रोग की रोकथाम हेतु बोरेक्स 0.8 प्रतिशत 0.8 ग्राम/लीटर पानी में घोल बनाकर 10 दिन के अन्तराल पर 2 छिड़काव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	वर्तमान मौसम को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पशुओं को रात्रि के समय खुले स्थान पर बांधें। पशुओं को दिन के समय छाये दार स्थान पर या पेड़ की छाया में बांधें। पशुओं को हरा चारा तथा आसानी से पचने वाला खनिज मिश्रण और नमक खिलायें। पशुओं को स्वच्छ साफ एवं ठण्डा पानी दिन में 3-4 बार अवश्य पिलायें। पशुओं को पेट में कीड़ों की रोकथाम के लिए कृमिनाशक दवा देने का उचित समय है। पशुओं को खुरपका-मुँहपका रोग की रोकथाम हेतु एफ.एम.डी. वैक्सीन तथा लगड़िया बुखार से बचाव हेतु वी.क्यू. वैक्सीन से टीकाकरण कराये। पशुओं को सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे के मध्य चरने लिए बाहर न छोड़ें। पशुओं को सुबह-शाम नहलायें।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे भीषण गर्मी को देखते हुए मुर्गी हाउस में जुट के पर्दे लगायें एवं दोपहर के वक्त ठण्डे पानी से पर्दों को भिगो दें, पंखे और वेंटिलेशन की व्यवस्था करें। मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। मुर्गियों के पेट में कीड़ों की रोकथाम (डिवमिर्ग) के लिए दवा दें। मुर्गी हाउस का तापमान कम करने के लिए शेड की छत को पुवाल से ढक दें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 2-4 मई, 2025 के मध्य स्थानीय स्तर पर तेज हवाओं के साथ आंधी, बिजली, हल्की बारिश की चेतावनी है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

किसानों को सलाह दी जाती है कि दिनांक 02 -04 मई, 2025 के मध्य गरज-चमक, तेज हवाओं के साथ हल्की वर्षा होने की संभावना को देखते हुए कटी हुई फसल की मड़ाई का कार्य शीघ्र पूरा कर दाने को सुरक्षित स्थान पर संरक्षित कर लें। जायद की खड़ी फसलों में सिंचाई का कार्य स्थगित रखें।

Farmers are advised to download Unified Mausam and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightning.

Mausam MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details